

सर्वज्ञत्व पुं. (तत्.) सर्वज्ञता, सर्वज्ञ होने की अवस्था, गुण या भाव।

सर्वज्ञानी वि. (तत्.) सब बातों का ज्ञान रखने वाला, सर्वज्ञ।

सर्वतंत्र पुं. (तत्.) 1. सभी प्रकार के शास्त्रीय सिद्धांत 2. वह व्यक्ति जिसने सब शास्त्रों का अध्ययन किया हो 3. शास्त्र सम्मत/शास्त्रीय सिद्धांतों के अनुकूल।

सर्वतः अव्य. (तत्.) 1. चारों तरफ, सभी ओर, सभी जगह। 2. सभी प्रकार से, हर तरह से 3. पूर्ण रूप से, पूरी तरह।

सर्वतापन पुं. (तत्.) 1. सब को तपाने वाला अर्थात् सूर्य 2. कामदेव।

सर्वतो अव्य. (तत्.) संस्कृत सर्वतः का वह रूप जो उसे समस्त पदों के आरंभ में लगने पर प्राप्त होता है जैसे- सर्वतोचक्र, सर्वतोभद्र आदि।

सर्वतोचक्र पुं. (तत्.) फलित ज्योतिष में एक प्रकार का वर्गाकार चक्र जो शुभाशुभ फल आदि जानने के लिए किया जाता है।

सर्वतोभद्र वि. (तत्.) 1. सर्वत्र मंगलकारी, सभी प्रकार से शुभ, उत्तम 2. पूर्ण रूप से मुंडन किया हुआ 3. विष्णु रथ का नाम 4. चारों ओर से खुला मंदिर या प्रासाद जिसकी चारों तरफ से परिक्रमा की जा सके 5. कर्मकांड में एक प्रकार का चक्र जिसे कपड़े या भूमि पर बनाया जाता है। इस चक्र के खानों में और आस-पास देवताओं ग्रहों की स्थापना की जाती है 6. प्राचीन भारत में एक प्रकार की चौकोर सैनिक व्यूह रचना 7. साहि. एक प्रकार का चित्रकाव्य जिसमें चौकोर स्थापित किये हुए बहुत से खानों में कविता के चरणों के अक्षर लिखे जाते हैं 8. योग. एक प्रकार का आसन या मुद्रा 9. एक प्रकार की पहली जिसमें शब्द के खंडाक्षरों के भी अलग-अलग अर्थ लिए जाते हैं 10. एक प्रकार का गंध द्रव्य 11. नीम का पेड़ 12. बांस।

सर्वतोभद्रा स्त्री. (तत्.) 1. नटी, अभिनेत्री 2. काश्मरी, गंभारी नामक पौधा।

सर्वतोभाव अव्य. (तत्.) सभी प्रकार से, अच्छी तरह, भली-भांति, सभी दृष्टि से।

सर्वतोभावेन क्रि.वि. (तत्.) सभी प्रकार से, भली-भांति, सभी दृष्टि से।

सर्वतोभोगी पुं. (तत्.) प्राचीन भारतीय राजनीति में वश में किया हुआ ऐसा मित्र जो आस-पास की जंगली जातियों, पड़ोसी जातियों आदि से रक्षा करने में मदद देता हो।

सर्वतोमुख वि. (तत्.) सर्वतोमुखी, जिसकी सब ओर दृष्टि हो, पूर्ण, व्यापक पुं. 1. ब्रह्मा 2. जीव 3. शिव 4. अग्नि 5. जल 6. स्वर्ग 7. आकाश 8. एक प्रकार की सैनिक व्यूह रचना।

सर्वतोविशिष्ट वि. (तत्.) जो सभी प्रकार से विशेष हो, पूर्णता, विशिष्ट।

सर्वतोवृत्त वि. (तत्.) सर्व व्यापक।

सर्वत्र क्रि.वि. (तत्.) सभी स्थानों पर, सब जगह।

सर्वथा अव्य. (तत्.) 1. हमेशा, सब प्रकार से, सभी तरह से 2. हर दृष्टि, विचार से 3. बिल्कुल, निरा, सरासर जैसे- यह सर्वथा गलत है।

सर्वथैव अव्य. (तत्.) पूर्णतः, निरा, बिल्कुल, सरासर, सर्वथा।

सर्वदंडनायक पुं. (तत्.) प्राचीन काल में सेना या पुलिस का उच्च अधिकारी।

सर्वद वि. (तत्.) 1. सब कुछ देने वाला, ईश्वर 2. भगवान शिव।

सर्वदमन पुं. (तत्.) 1. शकुंतला के पुत्र भरत का एक नाम। 2. जिसने सभी को अपने अधीन कर लिया हो।

सर्वदर्शी वि. (तत्.) सब कुछ देखने वाला, सर्वदृष्टा, ईश्वर।

सर्वदल पुं. (तत्.) सभी वर्गों या दलों का जैसे- सर्वदल सम्मेलन।